सार-समाचार

चाइनीज मांझे के बहिष्कार हेतु जागरूकता रैली

बीकानेर(निसं)। स्थानीय शांति विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय, शीतला गेट के बाहर, बीकानेर द्वारा चाइनीज मांझे के बहिष्कार हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्काउट-गाइड एवं करूणा टीम के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने 'चाइनीज मांझा छोड़ो, पक्षियों की जान बचाओ' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। प्रधानाध्यापक हनुमान छींपा ने बताया कि चाइनीज मांझा अत्यंत खतरनाक होता है, जिससे प्रतिवर्ष अनेक पक्षी घायल होते हैं तथा इसकी वजह से आमजन भी दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं।कब मास्टर रमेश कुमार मोदी ने आगामी नगर स्थापना दिवस अक्षय तृतीया पर चाइनीज मांझे का उपयोग नहीं करने का आव्हान किया। वहीं करूणा प्रभारी सौरभ बजाज ने जीव-दया एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अंत में विद्यार्थिन्यों को चाइनीज मांझे का उपयोग न करने एवं दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।

ओलावृष्टि व बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग

बीकानेर(निसं)। बीकानेर जिले के नोखा विधानसभा क्षेत्र सहित राजस्थान के कई जिलों में हाल ही में हुई भारी ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने किसानों की रबी 2025-26 की फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी फसल जहां पूरी तरह नष्ट हो गई है, वहीं कई स्थानों पर कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल भी खराब हो गई। कुछ क्षेत्रों में तो किसानों की पूरी की पूरी फसल चौपट हो जाने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित किसान अपनी फसल के नुकसान की सूचना देने के लिए बीमा कंपनियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन किसानों का आरोप है कि संबंधित फसल बीमा कंपनियां उनकी शिकायतों पर गंभीरता नहीं दिखा रही हैं और टालमटोल का रवैया अपना रही हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए नोखा विधायक सुशीला डूडी ने राज्य सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री और कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव को पत्र लिखकर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल '7डी रिपोर्ट' तैयार करवाने की मांग की है, ताकि फसल नुकसान का सही आकलन किया जा सके।

गंगाशहर सेटेलाइट अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव की सुविधा नहीं

बीकानेर,(निसं)। गंगाशहर सेटेलाइट अस्पताल 100 बेड का करने सहित 15 डॉक्टरों का अतिरिक्त स्टाफ नियुक्त करने का प्रस्ताव सरकार के पास अटक गया है। इसकी वजह से प्रसूति विभाग का ऑपरेशन थिएटर ही अब तक शुरू नहीं हो पाया है। प्रसव के लिए महिलाओं को पीबीएम हॉस्पिटल जाना पड़ रहा है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से अटैच होने के बाद भी गंगाशहर अस्पताल भारी प्रशासनिक अनदेखी का शिकार है। 40 बेड के इस अस्पताल का विस्तार 100 बेड तक किया जाना है। लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर तैयार हो गया है, लेकिन गायनी की डॉक्टर के अभाव में शुरू नहीं हो पा रहा। उस पर चार महीने से ताला लगा हुआ है। ओटी शुरू करने के लिए गायनी, डिप्लोमा इन चाइल्ड और पीडिया के तीन-तीन, एक एनेस्थिया के डॉक्टर और पांच मेडिकल ऑफिसरों की जरूरत है। इनके अलावा नर्सिंग स्टाफ की भी जरूरत पड़ेगी। इसका पूरा खाका तैयार कर जनवरी में ही चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजा जा चुका है, लेकिन पदों के आवंटन की फाइल फाइनेंस में जाकर अटक गई है। गंगाशहर नागरिक परिषद के अध्यक्ष जतनलाल दुग्गड़ ने बताया कि अस्पताल को 24 घंटे चलाने के लिए करीब 35 का स्टाफ चाहिए। गंगाशहर सेटेलाइट अस्पताल में दो ऑपरेशन थिएटर हैं और दोनों ही बंद हैं। एक का निर्माण भामाशाह ने कराया और दूसरा सरकार ने बनाया था।

जेनेरिक दवाओं का कच्चा माल 166 प्रतिशत महंगा हुआ

बीकानेर,(निसं)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का सीधा असर स्वास्थ्य व्यवस्था और आम मरीजों की जेब पर दिखाई दे रहा है। दवाओं के कच्चे माल (एपीआई) और सर्जिकल आइटम्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे इलाज का खर्च 30 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसकी वजह से पीबीएम हॉस्पिटल में दवाओं और सर्जिकल आइटम्स की सप्लाई प्रभावित है। युद्ध के कारण दवाओं में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल (एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स - एपीआई) 25 से 40 प्रतिशत तक महंगा हो गया है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्लोबल सप्लाई प्रभावित होने से जरूरी दवाओं के कच्चे माल की कीमत 166ः तक बढ़ गई है। रोजमर्रा के इस्तेमाल की दवाओं जैसे पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, विटामिन और मिनरल सप्लीमेंट्स की कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी भले ही एक बार सीजफायर हो गया हो, लेकिन हालात इतनी जल्दी नहीं सुधरेंगे।

जिला कलेक्टर ने श्रीडूंगरगढ़ के विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

बीकानेर, (निसं)। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने गुरुवार को सेरूणा, जोधासर और श्रीडूंगरगढ़ में विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा श्रीडूंगरगढ़ में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी। जिला कलक्टर ने ब्लॉक स्तर पर फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा की। सभी अधिकारियों को पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने सेरूणा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां दवाइयों की उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति के बारे में जाना। मरीजों से व्यवस्था संबंधी फीडबैक लिया तथा परिसर में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां वार्ड, लैब तथा मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा वितरण केन्द्र की व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने सेरूणा में संचालित सार्वजनिक पुस्तकालय का निरीक्षण किया तथा यहां विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाने को कहा। इस दौरान जिला कलेक्टर ने श्रीडूंगरगढ़ में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत भी मौजूद रहे। जनसुनवाई में राजस्व विभाग से जुड़े 13, नगरपालिका और विद्युत निगम की 8-8, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग की 6-7, जलदाय विभाग की 4, पंचायत और रसद से जुड़े 3-3 सहित कुल 51 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का नियम सम्मत निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

जिला कलेक्टर निशांत जैन ने सेरूणा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण।

श्रीडूंगरगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति के बारे में जाना तथा पूर्ण गंभीरता से इनका क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। क्षेत्र से जुड़ी बजट घोषणाओं की प्रगति का विभागवार रिव्यू किया। उन्होंने कहा कि

- इस दौरान जिला कलक्टर ने श्रीडूंगरगढ़ में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी

सभी विभागीय अधिकारी अपने विभाग से जुड़ी घोषणाओं और योजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि यह कार्य निर्धारित समय पर हों। किसी प्रकार की समस्या पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत करवाएं।

जिला कलेक्टर ने श्रीडूंगरगढ़ में 220 केवी जीएसएस का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां विद्युत सप्लाई और छीजत की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम के मद्देनजर यहां नियुक्त कार्मिक अधिक सतर्कता से कार्य करें तथा प्रत्येक समस्या का त्वरित रेसपोंस हो। उन्होंने जोधासर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया।

सांगरी उत्पादन पर मौसम की मार

अरजनसर,(निसं)। यहा थार के रेगिस्तान का गौरव और मरुस्थलीय व्यंजनों की जान मानी जाने वाली सांगरी पर इस बार प्रकृति की टेढ़ी नजर पड़ी है। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तापमान के उतार-चढ़ाव ने खेजड़ी के पेड़ों पर लगने वाली इस बेशकीमती फली के उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित किया है। रतनीसर के किसान मदन शर्मा के अनुसार, सांगरी को पकने के लिए वैशाख की चिलचिलाती गर्मी और गर्म हवाओं की आवश्यकता होती है। लेकिन इस बार 'मिझर' (फूल) आने के दौरान चली ठंडी हवाओं और ओलावृष्टि ने फूलों को फली में बदलने ही नहीं दिया। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक नमी और बदलते मौसम के कारण 'इरिओफिस' कीट और फंगस का प्रकोप बढ़ गया है। इसके चलते फलियों के बजाय पेड़ों पर गांठे (गिरडू) बन गई हैं, जिससे पैदावार में 50 से 70 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। सांगरी केवल एक सब्जी नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आय का मुख्य स्रोत भी है। वर्तमान में बाजार में सूखी सांगरी 1500 से 2000 रुपये प्रति किलो तक के ऊंचे दामों पर बिक रही है, जबकि गीली सांगरी का भाव 150 से 200 रुपये प्रति किलो है।

जर्क कार्यशाला में खरीफ फसलों के प्राप्त परिणामों पर किया चिंतन

बीकानेर (निसं)। कृषि अनुसंधान केन्द्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में गुरूवार को कृषि खरीफ क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति जर्क कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार त्रिलोक कुमार जोशी क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भुपेन्द्र सिंह शेखावत अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा व अध्यक्ष काजरी नवरत्न पंवार ने कृषि वैज्ञानिकों से चर्चा की। जर्क कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के बीकानेर चुरू जैसलमेर के कृषिए उधानिकीआत्मा के वरिष्ठ अधिकारी व विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार त्रिलोक कुमार जोशी ने कहा कि कृषि अनुसंधान व आधुनिक तकनीक किसानों तक पहुंचाने के लिए विभाग और वैज्ञानिकों को और समन्वित प्रयास करने होंगे।

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में जर्क कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- कृषि अनुसंधान व आधुनिक तकनीक किसानों तक पहुंचाने के लिए विभाग व वैज्ञानिकों को और समन्वित प्रयास करने होंगे

अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने बताया कि अनुसंधान से निकलकर सामने आई नई फसल किस्मों को जोन की पैकेज ऑफ पैक्टिसेज में सम्मिलित किया जाएगा जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सकें। काजरी के अध्यक्ष डॉ नवरत्न पंवार ने कहा कि जल के समुचित व अधिकतम उपयोग के लिए किसानों को बूंद.बूंद सिंचाई के महत्व को समझना होगा। कृषि व उद्यानिकी फसलों की पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेज पर विस्तार से चर्चा की गई। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने भूमि पोषकता पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहा कि अधिक उत्पादन के लिए किसानों को रासायनिक उर्वरकों यूरियाए डीएपीए एसएसपी को कम कर जैविक खाद कम्पोस्टए वर्मी कम्पोस्ट व हरी खाद का उपयोग बढ़ाना होगा।

नशे के खिलाफ शुरू होगा 'ऑपरेशन नीलकंठ'

बीकानेर,(निसं)। यहा अवैध गतिविधियों और नशे के खिलाफ ऑपरेशन नीलकंठ की शुरुआत की जाएगी। इस पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग आईजी ओमप्रकाश और एसपी मृदुल कच्छावा करेंगे। इस अभियान की खास बात ये है कि पुलिस और प्रशासन के अलावा जिले के अन्य विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर नियमित निरीक्षण। अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए विशेष चौकसी।संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना। नियमों का उल्लघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई। संदिग्ध वाहनों की जांच एवं आवश्यकतानुसार जब्ती। दोषियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सजा दिलाने का प्रयास। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को अभियान के दौरान पूर्ण सतर्कता बरतने और नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कार्रवाई पूरी पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ की जाए। प्रशासन का मानना है कि 'ऑपरेशन नीलकंठ' से जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

चंदा, साफा-पाग हमारी पुरानी सांस्कृतिक परंपरा : रंगा

बीकानेर (निसं)। चंदा, साफा-पाग हमारी पुरानी सांस्कृतिक परंपरा है। बीकानेर की इसी समृद्ध कला धरोहर को हमें संजोए रखना होगा। इसी परम्परागत कला से युवा पीढ़ी रूबरू होकर इसमें अपनी कला सहभगिता का निर्वहन कर नवाचार करें। यही राजस्थानी चंदा, साफा-पाग कार्यशाला की सार्थकता है। यह उद्गार राजस्थानी साफा-पाग पगड़ी एवं कला संस्थान और थार विरासत द्वारा नगर स्थापना 538वें नगर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय 'उछब थरपणा' के तहत आयोजित दो दिवसीय उक्त कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने व्यक्त किए।

- इसी परम्परागत कला से युवा पीढ़ी रूबरू होकर इसमें अपनी कला सहभगिता का निर्वहन कर नवाचार करें। यही राजस्थानी चंदा, साफा-पाग कार्यशाला की सार्थकता है

रंगा ने आगे कहा कि बीकानेर की विशेष चंदा, पाग-पगड़ी साफा कला देश ही नहीं विदेशों में अपनी अलग पहचान रखती है। जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक उपक्रम करने पर आयोजक संस्थाओं का साधुवाद है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कला विशेषज्ञ डॉ राकेश किराडू ने परंपरागत कलाओं के बारे में बताते हुए कहा कि बीकानेर हमेशा अन्य क्षेत्रों की तरह ही कला जगत में अपना महत्वपूर्ण मुकाम रखता है। ऐसी कार्यशाला के माध्यम से युवा पीढ़ी अपनी परंपरा से रूबरू होगी, जो महत्वपूर्ण है।प्रारंभ में पांच दिवसीय 'उछब थरपणा' समारोह के संयोजक वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं संस्कृतिकर्मी राजेश रंगा ने समारोह के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यशाला के संदर्भ में कहा कि युवा पीढ़ी अपनी परंपरागत कला को नई रंगत देने का प्रयास करेगी। दो दिवसीय चंदा, साफा-पाग कार्यशाला के प्रभारी वरिष्ठ कला विशेषज्ञ मोना सरदार डूडी ने कहा कि युवा पीढ़ी उसमें भी विशेष तौर बालिकाओं द्वारा अपनी परंपरागत कला के प्रति रूचि होना शुभ संकेत है।

राहुल जादुसंगत प्रदेश सदस्य नियुक्त

बीकानेर(निसं)। डॉ. आंबेडकर मेमोरियल फेयरवेल सोसायटी, राजस्थान के निर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह (सेवानिवृत्त आईपीएस) ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए अपनी केंद्रीय कार्यसमिति का विस्तार किया है। इसी क्रम में बीकानेर के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता राहुल जादुसंगत को सोसायटी में प्रदेश सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से बीकानेर जिले में संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। राहुल जादुसंगत लंबे समय से सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े हुए हैं और युवाओं के बीच उनकी सक्रिय भागीदारी रही है।नव नियुक्त प्रदेश सदस्य राहुल जादुसंगत ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में समानता व जागरूकता लाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

नवकार दिवस पर श्रद्धा व भक्ति के साथ सामूहिक मंत्र जाप

बीकानेर (निसं)। विश्व नवकार दिवस पर गुरुवार को हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने विश्व कल्याण के लिए महा मंगलकारी नवकार महामंत्र का जाप किया। बीकानेर संभाग का मुख्य कार्यक्रम गंगाशहर के तेरापंथ भवन में "जीतो" के तत्वावधान में सकल जैन श्री संघ की श्रावक-श्राविकाओं ने स्व अनुशासन के साथ श्रद्धा व भक्ति के साथ सुबह 09 बजकर एक मिनट से 09.36 तक 36 मिनट तक सस्वर, लय व एक धुन के साथ संगीतमय जाप किया। जीतो की बीकानेर इकाई के सचिव पुनेश मुसरफ ने बताया कि अनेक श्रावक-श्राविकाएं जाप में शामिल होने के लिए बीकानेर के विभिन्न जैन बहुल्य मोहल्लों,गंगाशहर,भीनासर, उदयरामसर,, नाल, लूणकरनसर, नोखा आदि स्थानों के श्रावक-श्राविकाएं निर्धारित गणवेश में पहुंच गए थे। कई श्रावक-श्राविकाओं ने सामायिक के साथ मंत्र का जाप किया। श्रावक-श्राविकाएं अपने घरों से ही आसन, ओगा व माला आदि लाए थे, उन्होंने साधु-साध्वी सी परिचर्या का पालन करते हुए जाप किया।

तेरापंथ भवन में विश्व महाकार महामंत्र दिवस पर उपस्थित श्रावक-श्राविकाएं।

अतिथि वक्ता के रूप में देवीकुंड सागर के दाता श्री राजेश्वरानंद महाराज ने नवकार महामंत्र की महिमा एवं ताकत को बताया। उन्होंने कहा कि इस मंत्र का जाप करने से रोग,दोष, शोक दूर होता है तथा आत्मिक शांति मिलती है तथा आध्यात्मिक उन्नति होती है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ के अमृत मुनि ने नवकार महामंत्र का संगान करते हुए कहा कि इस कल्याणकारी महामंत्र का जाप आज विश्व के अनेक देशों में एक साथ शांति, अहिंसा, सत्य आदि मानवीय मूल्यों को स्थापित करने के लिए किया गया है। जीतो की बीकानेर इकाई के अध्यक्ष जयचंद लाल डागा ने जाप अवसर पर कहा कि नवकार महामंत्र सर्वहितकारी, सर्व कल्याणकारी है। इसमें किसी व्यक्ति विशेष की बजाए पंच परमेष्ठी की महिमा को प्रतिष्ठित करते हुए उसकी महिमा बताई गई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की 31वीं बैठक सम्पन्न

बीकानेर (निसं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय की 31वीं अकादमिक परिषद् की बैठक कुलगुरु डॉ. सुमंत व्यास की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक के प्रारम्भ में डॉ. सुमंत व्यास ने अकादमिक परिषद् के सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं गत बैठक के सभी बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए कार्य अनुपालना को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। बैठक में विश्वविद्यालय के संघटक और संबद्ध निजी पशु चिकित्सा महाविद्यालय में बी.वी.एससी. एवं ए.एच. डिग्री पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नीट (यू.जी.)-2026 के आधार पर प्रवेश देने के निणय का अनुमोदन किया गया। निरीक्षण समिति से प्राप्त निरीक्षण रिपोर्टों और सिफारिशों को मंजूरी देना और शैक्षणिक सत्र 2025-27 के लिए निजी पशु चिकित्सा कॉलेजों के प्रोविजनल संबद्धता आदेशों को मंजूरी देना, शैक्षणिक सत्र 2025-27 के लिए ए.एच.डी.पी. संस्थानों के प्रोविजनल संबद्धता आदेशों को मंजूरी देना, राजस्थान सरकार के पशुपालन विभाग की नई और संशोधित विभागीय नीति-2025 को राजस्थान में पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों की स्थापना/संचालन के लिए अपनाना आदि मुद्दो पर विचार विमर्श एवं अनुमोदन किया गया।

- वेटरनरी स्नातक सत्र 2026-27 में प्रवेश नीट (यू.जी.)-2026 के आधार पर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बीकानेर दौरे की तैयारियों को लेकर बैठक

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के बीकानेर दौरे को लेकर तैयारियों की बैठक लेते देहात भाजपा अध्यक्ष श्याम पंचारिया

बीकानेर, (निसं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के 11 अप्रैल को प्रस्तावित बीकानेर प्रवास कार्यक्रम को लेकर पूर्व तैयारियों के संबंध में आज भाजपा बीकानेर संभाग कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

- बैठक में प्रदेशाध्यक्ष के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई

बैठक की अध्यक्षता भाजपा बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने की। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही कार्यक्रम के विभिन्न आयामों को ध्यान में रखते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच जिम्मेदारियों का वितरण भी किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष का यह दौरा संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूर्ण अनुशासन, समर्पण एवं सक्रियता के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आ ान किया, ताकि कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाया जा सके। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुंभाराम सिद्ध, जिला महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, तोलाराम कूकणा, ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेधर, वरिष्ठ भाजपा नेता रामेश्वर पारीक, जिला मंत्री राजाराम ओझा, ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री पूराराम ढाका, सोशल मीडिया जिला संयोजक पवन स्वामी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जसराज सिंवर, किसान मोर्चा जिला महामंत्री सी.आर. चौधरी, नेमगिरि गोस्वामी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री प्रदीप सारस्वत, सुनील मेघवाल, मीडिया सह संयोजक अशोक मारू, मोहन कस्वा, अजय काजला, रजनीकांत सारस्वत एवं महेश चारण सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों को बीज उत्पादन से जोड़ने के लिए केवीके वैज्ञानिक दें मागदर्शनः डॉ. दुबे

बीकानेर,(निसं)। बीज उत्पादन, परम्परागत और स्थानीय खेती से किसानों को जोड़ने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों को अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के वीसी सभागार में गुरुवार को केवीके वैज्ञानिकों के साथ चर्चा आयोजित कर इस दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने कहा कि बीज उत्पादन में केवीके बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। केवीके के माध्यम से आधुनिकतम कृषि तकनीक खेतों तक पहुंच सकी है। लेकिन खेती को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को वर्तमान मांग व आवश्यकता के अनुरूप नवाचार भी अपनाने होंगे। बीज उत्पादन में किसानों की सहभागिता के संदर्भ में चर्चा करते हुए कुल गुरु ने कहा कि बीज उत्पादन में किसानों का वैज्ञानिक मागदर्शन आवश्यक है। गुणवत्ता के साथ कोई समझौता ना हो, इसके लिए समुचित मॉनिटरिंग की जरूरत है। इस कार्य में किसानों की सहभागिता के लिए केवीके रोडमैप बनाकर प्रयास करें। उन्होंने झूझनूं स्थित ,आबूसर केवीके के कार्य की विशेष सराहना की।

केवीके प्रभारियों के साथ चर्चा करते कुलगुरू राजेन्द्रबाबू दूबे।

विषय विशेषज्ञ वैद्य कृष्ण मुरारी ने कहा कि बीज के क्षेत्र में वर्तमान में किसान परावलंबी हुआ है, इससे खेती की लागत बढ़ी है। केवीके वैज्ञानिकों के मागदर्शन में किसान बीज उत्पादन का नवाचार अपनाकर कृषि व्यवसाय को नयी दिशा दे सकते हैं। इससे किसानों को सस्ता बीज उपलब्ध होगा, उनकी आय बढ़ेगी तथा विश्वविद्यालय को भी नयी पहचान मिलेगी। विश्वविद्यालय इस दिशा में विशेष प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पास जमीन और सिंचाई संसाधनों की सीमा है। सरकार की खाली पड़ी जमीन तथा फार्मर्स फील्ड सहभागिता के जरिए बीज उत्पादन के लिए प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाए जा सकते हैं।

कृष्ण मुरारी ने कहा कि किसान को लाभकारी खेती के लिए पशुपालन और पौधारोपण भी अपनाना होगा। केवीके वैज्ञानिक स्थानीय प्रजाति की पौध तैयार करने में किसानों की मदद करें। उर्वरक व खरपतवार का अंधाधुंध प्रयोग स्वास्थ्य और मृदा के लिए नुकसानदायक है। ऐसे में कृषि के परम्परागत तरीकों के बारे में किसानों को सही प्रशिक्षण दिया जाना भी सुनिश्चित करना होगा। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ दीपाली धवन ने आभार व्यक्त किया। बैठक में झूझनूं केवीके प्रभारी डॉ दयानंद, बीकानेर केवीके प्रभारी डॉ दुर्गाशंकर, पदमपुर केवीके प्रभारी डा सीमा चावला, पोकरण केवीके प्रभारी डॉ दशरथ , जैसलमेर केवीके प्रभारी डॉ दीपक चतुर्वेदी, चांदकोठी केवीके प्रभारी डॉ बलवीर सिंह, बीकानेर द्वितीय केवीके प्रभारी डॉ राजेश शिवराण सहित डॉ मदन लाल रैगर, डॉ रामनिवास ने बीज उत्पादन की वर्तमान स्थिति तथा अन्य सुझाव दिए।

- केवीके प्रभारियों के साथ की गई चर्चा

देशनोक जाने वाला हर मार्ग होगा रोशन

बीकानेर,(निसं)। जिले के प्रसिद्ध करणी माता मंदिर की तरफ जाने वाले प्रमुख मार्ग पर हेरिटेज पोल पर लगी लाइटों से जगमगाएंगे। इन मार्गों में हाइवे से मदिर, मंदिर से गौशाला, पुलिस थाना से मंदिर जाने वाला रास्ता शामिल हैं। साथ ही यात्रियों को धूप व बारिश से बचाने के लिए मंदिर से 500 मीटर दूरी तक शेड का निर्माण होगा। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत मंदिर परिसर को भव्य बनाने के साथ सुविधाओं का विस्तार करने को लेकर 22.57 करोड़ रुपए की लागत कार्य किए जा रहे हैं।

- मंदिर से 500 मीटर दूरी तक बनेगा शेड, जुलाई तक पूरा होगा काम

राजस्थान सरकार

कार्यालय भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी नोखा (जिला बीकानेर)

क्रमांक-374 दिनांक-07.04.2026

(अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013, धारा 5 एवं राजस्थान-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम, 2016 नियम 7)

सूचना

संख्या एफ 7(3)/सानि/एएस/2017/डी-17- राजस्थान के राज्यपाल द्वारा राजस्थान-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम, 2016 के प्रावधानुसार एवं राजस्थान सरकार के राजस्व (ग्रुप-6) विभाग के परिपत्र क्रमांक-प.2016/02 दिनांक 27/01/2017 के निर्देशानुसार नवली गेट नोखा स्थित रेलवे समपार संख्या एलसी 27 पर प्रगतिरत आर ओ बी के निर्माण के लिए भूमि अवाप्ति किये जाने के प्रयोजन से तहसील नोखा जिला बीकानेर के निम्नानुसार प्रभावित गांवों में भूमि अर्जन हेतु जनसुनवाई बैठक का आयोजन किया जाना है :-

क्र.सं.	गांव का नाम	तहसील	दिनांक	स्थान	समय
1	नोखा	नोखा	29/04/2026	अधिकारी कार्यालय नोखा उपखण्ड	प्रातः 11:30 बजे

इस जनसुनवाई बैठक में समस्त प्रभावित व्यक्तियों एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं (उपखण्ड अधिकारी) नोखा

DIPR/C/6667/2026